



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 112]  
No. 112]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 1986/चैत्र 10, 1908  
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1986/CHAITRA 10, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1986

का०आ० 146 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/86:- भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 320 (इ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/79, तारीख 20 मई, 1979, द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) सौरा प्रपोलो जिप्सर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 25 मई, 1982 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और सचिव, बन्द, और उद्योग विकास विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार का, जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार कहा जाता है, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 31 मार्च, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए ऐसे जारी रहने के लिए, समय-समय पर निदेश जारी किये थे [देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 246 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/82, तारीख 25 मई, 1982, सं० का०आ० 832 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/82, तारीख 24 नवम्बर, 1982, सं० का०आ० 385 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/83, तारीख 31 मई, 1983, सं० का०आ० 872 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/83, तारीख 30 दिसम्बर, 1983, सं० का०आ० 472 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/84, तारीख 28 जून, 1984, सं० का०आ० 975 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/84, तारीख 29 दिसम्बर, 1984, और सं० का०आ० 275 (अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/85, तारीख 29 मार्च, 1985];

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1987 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1987 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, कि और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 2(23)/80-सी० यू० एन०]

ए० पी० सरवान, सयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 31st March, 1986

S.O. 146(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 320(E)|18AA|IDRA|79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Apollo Zipper Company Private Limited, Calcutta was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking.

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of three years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1986 [vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry, (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 246(E)|18AA|IDRA|82, dated the 25th May, 1982, S.O. 832(E)|18AA|IDRA|82 dated the 24th November, 1982, S.O. 385(E)|18AA|IDRA|83, dated the 31st May, 1983, S.O. 872(E)|18AA|IDRA|83 dated the 30th November, 1983, S.O. 472(E)|18AA|IDRA|84, dated the 28th June, 1984, S.O. 975(E)|18AA|IDRA|84, dated the 29th December, 1984 and S.O. 275(E)|18AA|IDRA|85 dated 29th March, 1985] :

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a period upto and inclusive of the 31st March, 1987 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA, read with the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1987.

[F. No. 2(23)|80-Cus.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.